



बुआ की बेटी को छुट्टियों में चोदा

“बहन की गांड चूत मारी मैंने! वह मेरी बुआ की शादीशुदा बेटी है. वह अपने पति के साथ खुश नहीं थी तो कुछ दिन के लिए मेरे घर रहने आई थी. हम दोनों की सेटिंग कैसे हुई चुदाई की ? ...”

Story By: विवेक लव (vivek07)

Posted: Thursday, August 17th, 2023

Categories: [लड़कियों की गांड चुदाई](#)

Online version: [बुआ की बेटी को छुट्टियों में चोदा](#)

बुआ की बेटी को छुट्टियों में चोदा

बहन की गांड चूत मारी मैंने! वह मेरी बुआ की शादीशुदा बेटी है. वह अपने पति के साथ खुश नहीं थी तो कुछ दिन के लिए मेरे घर रहने आई थी. हम दोनों की सेटिंग कैसे हुई चुदाई की ?

दोस्तो, मैं आप सबका दोस्त विवेक

मेरी पिछली कहानी

पुरानी चाहत की चूत लॉकडाउन में चोदने मिली

आप स ने पसंद की थी.

अब फिर से अपनी नई कहानी लेकर आपके सामने पेश हुआ हूं.

मेरे और मेरी बुआ की बेटी के बीच में हुए गर्मागर्म सेक्स की यह कहानी जिसमें मैंने बहन की गांड चूत मारी, आपको पसंद आएगी।

यह हसीन घटना आज से लगभग 10 या 12 साल पुरानी है।

इस कहानी की नायिका जिसका नाम मोनिका (परिवर्तित नाम) है.

उसकी उसके पति के साथ चल रही नीरस सेक्स लाइफ की वजह से मेरे साथ नज़दीकियां बन गयी थी।

उस वक्त उसकी उम्र लगभग 30 साल की रही होगी.

वह बहुत ही चंचल और खूबसूरत लड़की है, वह बचपन से ही बहुत ही चुलबुली और खुले विचारों वाली रही है।

उसका कहर ढाता 36-32-36 फिगर अच्छे अच्छों का ईमान डगमगा जाने पर मजबूर कर देता ।

गोरा रंग, लंबे बाल और बल खाती कमर ... जब भी वह बाजार से निकलती तो सबके लौड़ों का प्रीकम निकाल देती ।

एक बेटी की मां होने के बावजूद भी वह देखने में किसी कुंवारी लड़की से कम नहीं लगती थी.

दूसरा उसने अपने आप को बहुत अच्छे से मेंटेन करके रखा हुआ था ।

गर्मियों की छुट्टियों में उसका मेरे पास फोन आया कि भाई अगर आप कहीं बाहर घूमने नहीं जा रहे हो तो क्या मैं कुछ दिन के लिए आपके घर पर रहने आ सकती हूँ ।

मेरे हां कहने पर वह उसी दिन शाम को हमारे घर रहने आ गई ।

अब तक मोनिका के साथ मेरा रिश्ता सिर्फ भाई बहन वाला ही था.

पर इस बार भगवान को शायद कुछ और ही मंजूर था.

या यूं कहें कि किस्मत मेरे लोड़े पर बहुत मेहरबानी कर रही थी ।

उसी दिन रात को मेरी सास का मेरी पत्नी के पास फोन आया- मेरी तबीयत बहुत खराब है, तुम दो-तीन दिन के लिए हमारे पास आ जाओ ।

मेरी बीवी का जाने का मन तो नहीं था लेकिन मोनिका ने उसे यह कहकर भेज दिया- भाभी, आप जा आओ. भाई के खाने का पीने का ध्यान मैं रख लूंगी ।

अगले दिन सुबह जब मैं अपनी पत्नी को उसके मायके छोड़ कर वापस अपने घर आया तो मैंने महसूस किया कि मोनिका कुछ उदास लग रही है ।

मेरे पूछने पर उसने बात को टाल दिया यह कहकर- आप थके हुए आए हो, खाना खा लो,

फिर हम आराम से बातें करते हैं।

खाने के बाद बैठे बातें कर रहे थे तो मैंने फिर से वही बात पूछी।

तो उसने कहा- भाई, अब इस बात को करने का कोई फायदा नहीं है ; मैं अपना नसीब समझ कर निभा रही हूँ।

मैंने उससे कहा- मोनिका, हमारे बीच दोस्ती का भी तो रिश्ता है. उसी नाते मुझे बताओ कि तुम्हारी जिंदगी में क्या गलत चल रहा है ?

उसने फिर अपने पति के बारे में बताया- काम की परेशानी की वजह से अब वे मुझ में बिल्कुल दिलचस्पी नहीं लेते और हमारी जिंदगी में से सेक्स तो बिल्कुल ही खत्म हो चुका है।

उसके इस बात को खुले तरीके से बताने पर मेरे मन में भी कुछ हलचल होनी शुरू हो गई। उसकी फिगर पर तो मैं शुरू से ही लट्टू था लेकिन रिश्ता आड़े आ जाता था।

अब मुझे भी मोनिका मेरे नीचे आती हुई दिखाई देने लग गई।

मैंने उससे कहा- देखो मोनिका, अब जो हो चुका है, उसे तो हम बदल नहीं सकते. लेकिन मैं तुम्हारी इस बात में तुम्हारी मदद जरूर कर सकता हूँ।

वह बोली- क्या यह ठीक रहेगा ? क्योंकि हम रिश्ते में भाई बहन लगते हैं।

पर थोड़ी देर समझाने के बाद उसे यह अच्छे से समझ आ गया कि इस समय पर हमारा रिश्ता सिर्फ लंड और चूत का ही था क्योंकि प्यासी तो वह भी बहुत थी लेकिन झिझक रही थी।

मैंने बेड से उठ कर दरवाजा बंद किया और वापस आकर मोनिका के गुलाबी होंठों को

चूसना शुरू कर दिया और उसे कस के अपने आगोश में ले लिया ।

मोनिका के मुंह से निकली.

वह आह भी जब मैं याद करता हूँ तो मेरा लंड खड़ा हो जाता है ।

मोनिका हमारे स्मूच में पूरा योगदान दे रही थी और मजे से मेरे होंठों को चूस रही थी ।

जैसे ही मैंने उसके कपड़े उतारने शुरू किए, उसने कहा- पहले लाइट बंद करो, मुझे शर्म आ रही है ।

लाइट बंद करके मैंने जीरो वाट का बल्ब जला दिया और धीरे-धीरे उसके बदन से सारे कपड़े अलग कर दिए.

अब वह सिर्फ ब्रा और पैंटी में मेरे सामने बेड पर बैठी हुई थी ।

मैं भी अपने कपड़े उतार कर उसके पास बेड पर जा बैठा और उसके बदन को चूमना शुरू किया ।

होंठों से शुरू करके गर्दन से होते हुए मैं उसकी नाभि तक पहुंच गया जिससे वह मच्छली के जैसे तड़पने लगी ।

वह बार-बार यही दोहराती रही- रुकना मत, बहुत मजा आ रहा है ।

उसकी नाभि में जीभ चलाते हुए मैंने उसकी पैंटी उतार दी.

अब वह सिर्फ एक नेट वाली ब्रा में मेरे सामने लेटी हुई थी ।

धीरे-धीरे आगे बढ़ते हुए मैंने उसकी दोनों टांगों के अंदर वाले हिस्से को चूमना शुरू कर दिया जिससे उसकी हालत और भी खराब होनी शुरू हो गई और उसने अपना सर दाएं बाएं पटकना शुरू कर दिया.

उसकी चूत से लगातार पानी बहकर बेड की चादर तक पहुंच रहा था ।

इससे पहले कि मैं उसकी चूत पर अपनी जीभ चलाता, उससे पहले ही उसने अपनी ब्रा खुद-ब-खुद उतार दी और अपनी चूचियों को मींजने लगी ।

जैसे ही मैंने अपनी जीभ से उसकी क्लिट को छुआ, वह झड़ गई ।

उसने बताया- मैं आज पूरे 7 महीने के बाद सेक्स कर रही हूं. मेरे पति तो ज्यादा से ज्यादा 5 मिनट में काम खत्म करके सो जाते हैं । उन्होंने आज तक कभी भी मुझे ऐसे चूमा और चुभलाया नहीं है ।

जब मैंने उससे लंड चूसने के लिए बोला तो उसने बोला- मैंने कभी आज तक लंड नहीं चूसा है लेकिन तुम्हें इंकार नहीं करूंगी ।

उसने पहले तो सिर्फ टोपे को ही जीभ से छूकर देखा ; फिर धीरे-धीरे मेरा सारा लंड मुंह में लेकर बड़े प्यार से चूसने लगी ।

फिर मैंने उसे 69 में आने को कहा तो वह मेरे ऊपर अपनी चूत मेरे मुंह पर रखकर लेट गई और बड़े प्यार से मेरे लंड को चूसने लगी.

मेरे सोच के उल्टा मेरी बहन पूरा लंड अंदर तक गले तक लेकर चूस रही थी जिससे मैं एक असीम आनंद की अनुभूति कर रहा था ।

7-8 मिनट के ओरल सेक्स के बाद हम दोनों एक दूसरे के मुंह में ही झड़ गए.

जैसे प्यार से मैंने उसकी मलाई को चाटा, उसी प्यार से वह मेरा सारा वीर्य आखिरी बूंद तक चाट गई ।

थक कर वह मेरी बगल में लेट गई.

उसके चेहरे पर एक अजीब सी संतुष्टि नजर आ रही थी.

मेरे पूछने पर उसने बताया कि उसने आज तक इतना बेहतरीन सैशन कभी नहीं लिया. सिर्फ सहेलियों से ही सुना था. लेकिन मेरी वजह से उसकी यह इच्छा भी आज पूरी हो गई।

जब कोई नंगी खूबसूरत लड़की आपके साथ लेटी हो तो आप कब तक सब्र रख सकते हो!

मैंने भी पांच मिनट के बाद उसके साथ छेड़खानी शुरू कर दी जिसमें वह मेरा पूरा सहयोग कर रही थी।

कभी मैं उसकी चूचियां पी रहा था और कभी उन्हें दबा रहा था.

कभी हम लंबा स्मूच कर रहे थे और उस पल को पूरी शिद्दत के साथ जी रहे थे।

लेकिन अभी इस फोरप्ले को 5 मिनट भी नहीं बीते थे कि मोनिका एक जंगली बिल्ली की तरह मेरे ऊपर कूद पड़ी उसने मेरे लंड को ऐसे चूसा जैसे कोई प्रोफेशनल रंडी हो।

उसके चूसने से मेरा लंड 5 मिनट में ही दोबारा से पूरा तोप के जैसे खड़ा हो गया।

मैंने अलमारी में से निकाल कर कंडोम लगाया और मोनिका को मिशनरी पोजीशन में लेटने को कहा.

वह झट से ही पीठ के बल बेड पर लेट गई।

मैंने उसकी गांड के नीचे एक तकिया लगाया जिससे उसकी चूत ऊपर को उठ गई।

मेरे लंड डालने से पहले ही मोनिका बोली- आज कोई रहम मत करना अपनी बहन पर ... मुझे जन्नत दिखा देना।

मैं बोला- आज तेरी चूत का पूरा भोसड़ा ना बना दिया तब कहना ।

मैंने अपना लंड उसकी चूत के ऊपर घिसना शुरू कर दिया जिससे वह काफी बेचैन होने लग गई और अपनी गांड ऊपर को उठा कर लंड को अपने चूत के अंदर समाने की कोशिश करने लग गई ।

वह गाली देते हुए बोली- बहनचोद, ऊपर ऊपर क्या घिस रहा है, अंदर डालने की हिम्मत नहीं है क्या ?

मैंने भी तभी करारा झटका मारा जिससे मेरा आधा लंड उसकी चूत को चीरता हुआ अंदर घुस गया ।

मोनिका बोलने लगी- जरा धीरे डालो, मेरे पति का लंड इतना मोटा नहीं है और मुझे सेक्स किए भी 7-8 महीने हो चुके हैं इसीलिए चूत दोबारा से टाइट हो गई है ।

फिर मैं प्यार से उसकी चूचियां चूसने लगा.

कभी मैं उसके होंठों को चूमता.

इससे धीरे-धीरे उसकी चूत के अंदर चिकनाई आनी शुरू हो गई और लंड ने भी धीरे-धीरे अपनी जगह बनानी शुरू कर दी थी ।

जैसे ही उसने इशारा किया, मैंने अपना लंड थोड़ा थोड़ा आगे पीछे करना शुरू कर दिया जिससे मोनिका को भी मजा आना शुरू हो गया.

ऐसे ही धीरे-धीरे सरकाते सरकाते मैंने अपना पूरा लंड उसकी चूत में उतार दिया ।

ऐसे ही मैं मिशनरी पोजीशन में मैं उसे 10 मिनट तक चोदता रहा और वह मजे में सिसकारियां लेते हुए चिल्लाती रही.

फिर उसने कहा- अब तुम लेटो, मैं ऊपर आती हूँ।

मैं पीठ के बल बेड पर लेट गया और वह मेरा लंड अपनी चूत में लेकर मेरे ऊपर कूदने लगी.

जिससे उसके हिलती हुई 36" साइज की चूचियों को मींजने और चूसने में मुझे बहुत मजा आ रहा था।

उसकी चूचियों को चूसते हुए मैंने जोर से दांत से काट दिया जिससे एक बार की मोनिका मुझसे नाराज भी हो गई.

लेकिन तभी मान भी गई और कहने लगी- प्लीज, जरा प्यार से चूसो. और अगर काटना भी है तो जरा प्यार से काटो क्योंकि इससे मुझे काफी दर्द हुआ।

हम दूसरी बार का सेक्स कर रहे थे क्योंकि पहली बार तो इसने मुझे मुंह से ही खाली कर दिया था.

इसलिए अभी मेरे जल्दी झड़ने का तो कोई सवाल नहीं था..

मैंने मोनिका को घोड़ी बनने के लिए कहा।

मोनिका बेड के किनारे पर घोड़ी बन गई और मैं जमीन पर खड़ा हो गया, मेरे लंड को उसकी चूत बिल्कुल सामने पड़ रही थी।

मैंने पीछे से अपना लंड उसकी चूत में घुसा दिया और धक्के मारने शुरू कर दिए.

धक्के मारते वक्त मैंने 3-4 चमाट उसकी गोरी गांड पर भी मारे जो मोनिका को खुद भी बहुत पसंद आए।

अब हमें चुदाई करते हुए लगभग बहुत देर हो गयी थी और मोनिका काफी थक गई थी और उसकी चूत में भी दर्द हो रहा था।

उसने बताया कि वह 10 मिनट पहले झड़ चुकी है और मुझे जल्दी निपटाने के लिए कहने लगी।

मैं भी झड़ने के करीब आ चुका था और मैंने उसकी बात पर जोरदार 10-15 धक्के मारे और झड़ने के बाद उसकी पीठ पर ही निढाल हो गया।

10-15 मिनट हम एक दूसरे के साथ लेटे लेटे अपनी सांसों को काबू में करते रहे और एक दूसरे की तरफ देख कर मुस्कुराते रहे।

थोड़ी देर बाद मोनिका पेशाब करने चली गई और वापिस आकर कपड़े पहन लिए.

तब वह मुझसे कहने लगी- मैं तुम्हारे पास चुदवाने की नीयत से ही आई थी. पर मुझे यह नहीं पता था कि यह सब इतनी आसानी से हो जाएगा। तुमने मुझे खुश कर दिया है अब आगे से हम भी बेझिझक एक दूसरे के साथ सेक्स कर सकते हैं।

मोनिका उस रात मेरे साथ मेरे बेड पर भी सो गई और सुबह होने से पहले वापस जाकर अपने रूम में सो गई।

अब हम घर पर अकेले ही थे क्योंकि मेरी पत्नी तो बच्चों के साथ मायके गई थी और मोनिका भी अपनी बेटी को साथ नहीं लाई थी।

सुबह मेरे उठने पर मोनिका मेरे साथ मेरी पत्नी जैसे ही व्यवहार कर रही थी।

मैंने मोनिका के कहने पर उस दिन अपने ऑफिस से छुट्टी ले ली और सारा दिन मोनिका के साथ मस्ती करने का ही प्लान बनाया।

नाश्ता करने के तुरंत बाद हम दोनों मेरे बेडरूम में घुस गए.

वहां पर हमने एक रोमांटिक सीन मूवी देखनी शुरू कर दी.

मूवी तो अभी आधा घंटा भी नहीं देखी थी कि हमने टीवी बंद करके एक दूसरे के साथ चुम्मा चाटी करनी शुरू कर दी.
और कुछ ही मिनटों में हम दोनों जन्मजात नंगे बेड पर थे।

मोनिका की गोरी गदरायी गांड देखकर मेरे मुंह में पानी आना शुरू हो गया.
मैंने मोनिका को बेड पर लेटा कर उसकी गुलाबी चूत को अपनी खुरदरी जीभ से कुरेदना शुरू कर दिया.

मोनिका मस्ती से मेरे बाल नोच रही थी।
उसकी झांटों से भरी चूत को चूसने में मुझे परेशानी हो रही थी इसलिए मैंने पहले मोनिका को झांटें शेव करने के लिए बोला।

वह बोली- खुद ही कर दो. मुझे तो शेव करनी नहीं आती.
और खिलखिला कर हंसने लगी।

मैं बाथरूम से शेविंग का सामान ले आया और अच्छे से उसकी चूत शेव कर दी जिससे उसकी चूत की सुंदरता में चार चांद लग गए।

मैंने जी भर कर मोनिका की चूत को चूसा और उसे अपनी जीभ से चोदा.
उसे मैंने तब तक नहीं छोड़ा जब तक वह अपनी चूत में लंड डालने के लिए मेरी मिन्नतें नहीं करने लग गई।

फिर मैंने उसे घोड़ी बनाकर एक बार में ही अपना पूरा लंड उसकी चूत में उतार दिया.
इससे उसके मुंह से चीख निकल गई.

पर घर में हम दोनों के सिवाय कोई और नहीं था इसलिए कोई खास डरने की जरूरत नहीं थी।

उसकी गांड पर जोर-जोर से चमाट मारते हुए मैं फुल स्पीड से धक्के लगाने लग गया। मोनिका भी इस चुदाई का भरपूर मजा ले रही थी और अपनी चीखों से मुझे और उकसा रही थी।

थोड़ी देर बाद उसने कहा कि अब उसके घुटने दर्द होने लग गए हैं, ऊपर आना चाहती है। तो मैं नीचे लेट गया और वह मेरा लंड अपनी चूत में डाल कर उसके ऊपर कूदने लगी।

उसी वक्त मैंने उससे उसकी गांड मारने के लिए पूछा उसने कोई जवाब तो नहीं दिया। लेकिन बदले में मेरे निप्पल की घुंडियां चूसने लग गई जिससे मैं सातवें आसमान पर पहुंच गया।

मोनिका दो-तीन मिनट कूदने के बाद एक लंबी सिसकारी के साथ झड़ गई और उसकी चूत का पानी मेरे गोठों पर से होता हुआ बेड की चादर तक को भिगो गया। उसने कहा- शायद जिंदगी में मैं पहली बार इतना ज्यादा झड़ी हूं। मेरे को लगता है कि मैं दुनिया में सबसे अच्छी फीलिंग को महसूस कर पा रही हूं।

मैंने कहा- तुम्हारा तो हो गया है लेकिन मेरा झड़ना अभी बाकी है। तो उसने कहा- तुमने मुझे इतनी खुशी दी है कि तुम जो कहो, मैं वही करने के लिए तैयार हूं। आज से मुझे अपना गुलाम ही समझो।

मैंने कहा- तो जल्दी से फिर घोड़ी बनो!
और वह झट से घोड़ी बन गई।

जब तक कि मैं झड़ नहीं गया तब तक उसने फुल एनर्जी के साथ मेरा साथ दिया।

उसके बाद हम दोनों ऐसे ही बिना कपड़ों के एक दूसरे से लिपट कर लेट गए और हम दोनों को गहरी नींद आ गई।

जब तक हम दोनों उठे, तब तक शाम के 5:00 बज चुके थे.

मोनिका सोती हुई बड़ी प्यारी लग रही थी.

मैंने उसे उठाया नहीं ... खुद उठ कर फ्रेश होकर मैंने चाय बनाई, तब उसे उठाया।

वह चाय देखकर इमोशनल हो गई और कहने लगी- ऐसे तो सेवा कभी मेरे पति ने आज तक मेरी की ही नहीं।

मैंने उसे सांत्वना दी तब जाकर उसका मन शांत हुआ।

मोनिका चाय पीने के बाद रात का खाना बनाने में लग गई.

खाना खाने के बाद हम दोनों फिर अपने बेडरूम में आ गए.

मैंने मोनिका से कहा- मोनिका, आज मुझे तुम्हारी गांड जरूर मारनी है। तुम्हें मेरी वजह से थोड़ा बहुत दर्द बर्दाश्त करना पड़ेगा।

उसने कहा- तुमने जो खुशी मुझे दी है, उसके बदले में मैं हर दर्द सहने को तैयार हूं।

मैंने मोनिका के और अपने कपड़े उतारने के बाद मोनिका के बदन को चूमना और सहलाना शुरू किया जिसमें वह भी मेरा पूरा सहयोग कर रही थी।

तब मैंने मोनिका को पीठ के बल लेटाया, उसके दोनों हाथ ऊपर करके पकड़ लिए और

उसकी दोनों कांखों में बारी बारी से चाटना शुरू कर दिया.

इससे वह बहुत ज्यादा गर्म हो रही थी और उसे गुदगुदी भी हो रही थी।

मुझे यह अच्छी तरह से पता था कि गांड मारने में इसे काफी दर्द होने वाला है.

इसीलिए मैं उसे पूरी तरह से गर्म कर लेना चाहता था।

और एक बात और दोस्तो, मैं आपको पूरे तजुर्बे के साथ बता सकता हूं कि लड़की की गांड

मारने के लिए उसे कभी भी घोड़ी मत बनाओ, उसे सीधा लेटा कर उसकी गांड मारो, उसमें उसे काफी कम दर्द होगा।

मैंने मोनिका को पीठ के बल लेटे लेटे अपना लंड चूसने के लिए कहा जिसमें उसे दिक्कत हो रही थी और खांसी भी हो रही थी।

इसलिए मैंने लंड उसके मुंह से निकाल कर सीधा उसकी चूत पर लगा दिया और धीरे-धीरे पूरा चूत के अंदर घुसा दिया।

थोड़ी देर धक्के लगाने के बाद मैंने मोनिका से पूछा- क्या अब तुम्हारी गांड मार सकता हूँ?

तो उसने कहा- मैं अब आपकी हूँ, जो चाहे करें ... पर थोड़ा आराम से करना।

मैंने काफी सॉरी वैसलीन उंगली से उसकी गांड के अंदर लगाई और काफी सारी अपने लंड के ऊपर भी लगा ली।

तब मैंने धीरे धीरे लंड बहन की गांड में घुसाना शुरू किया।

लेकिन वैसलीन की वजह से टोपा अंदर जाते ही एकदम से सारा लंड अंदर घुस गया जिससे मोनिका की हालत खराब हो गई और उसकी गांड से खून भी निकलने लगा। वह रोने लगी और बाहर निकालने के लिए कहने लगी।

मैंने उसे समझाया।

उसकी चूत में दो उंगलियां अंदर बाहर करनी शुरू की मैंने ... उसके दाने को सहलाना शुरू किया और उसकी चूचियों को चूसना शुरू किया जिससे उसे थोड़ी थोड़ी राहत मिलनी शुरू हुई।

फिर मैंने धीरे धीरे अपना लंड उसकी गांड में आगे पीछे चलाना शुरू किया और उसकी चूत

में उंगली भी करता रहा जिससे उसे गांड का दर्द सहने में थोड़ी आसानी रही।
5 मिनट गांड मारने के बाद मैं उसकी गांड में झड़ गया और साथ ही वह भी झड़ गई।

जैसे ही मैंने उसकी गांड से लंड बाहर निकाला, तुम मेरे वीर्य के साथ कुछ बूंदें खून की भी बाहर आईं।

बहन की गांड चूत में दर्द की वजह से पेशाब करने भी नहीं जा पा रही थी.
मैं सहारा देकर कमोड तक लेकर गया।

उसके बाद मैंने उसे पेन किलर दी और उसकी गांड पर एंटीसेप्टिक क्रीम भी लगाई जिससे उसे थोड़ी राहत मिली।

सारी रात हमने आराम किया और सुबह तक भी मोनिका पूरी तरह से ठीक महसूस नहीं कर रही थी।

उसने कहा कि जो संतुष्टि उसे मिली है उसके सामने यह दर्द कुछ भी नहीं है।

उसके बाद मोनिका 2 दिन मेरे घर पर रही जिसमें हमने घर के हर कोने में, हर पोज में सेक्स किया।

उस दिन के बाद से अब तक मोनिका ने मुझे कभी भी सेक्स के लिए मना नहीं किया।

लेकिन रिश्तों का लिहाज रखते हुए मैं खुद भी साल में एक या दो बार ही उससे मिलने जा पाता हूँ क्योंकि मैं नहीं चाहता कि हमारे इस रिश्ते की वजह से उसकी परिवारिक जिंदगी में किसी तरह की कोई कड़वाहट पैदा हो।

मुझे उम्मीद है कि आपको यह सच्ची बहन की गांड चूत कहानी जरूर पसंद आएगी.
अपनी राय मुझे मेल के जरिए जरूर बताएं।

धन्यवाद।

lovevivek07@outlook.com

Other stories you may be interested in

दुबले लड़के के साथ डेंटिस्ट के क्लिनिक में मजे

मैं ऑफिस से फिल्म देखने गई थी। रात को देर से घर की तरफ जाने लगी तो डेंटिस्ट का ध्यान आया। क्लिनिक में पहुंची तो वहां कुछ ऐसा हुआ जिसकी मुझे बिल्कुल उम्मीद नहीं थी। हैलो फ्रेंड्स! मैं सिमरन अपनी [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी सगी दीदी की अन्तर्वासना

सेक्सी हॉट गर्ल की चुदाई का मजा मुझे मेरी दीदी ने दिया। दीदी ने मुझसे अपनी सहेली को भी चुदवाया। लेकिन फिर दीदी ने मुझे चूत देनी बंद कर दी। दीदी को मैंने उनके बॉयफ्रेंड से चुदाई करती देखा। मेरा [...]

[Full Story >>>](#)

भाई की शादी में भाई के बाँस से चुद गयी मैं- 3

होटल रूम सेक्स का मजा लिया मैंने अपने भाई के बाँस के साथ! उनके बुलाने पर मैंने उनके कमरे में गयी जहां उन्होंने मुझे नंगी कर लिया और मेरी चूत चाटने लगे। उसके बाद ... कहानी के दूसरे भाग मैं [...]

[Full Story >>>](#)

उफ़ ये मोहब्बत ... या वासना

रोमांटिक सेक्स की कहानी मेरी प्रेमिका के साथ प्यार भरे सेक्स की है। मैं उसके शहर जयपुर गया काम से तो उससे बिना मिले आने की तो सोच भी नहीं सकता था। वह मेरे होटल में आई। मैं किसी काम [...]

[Full Story >>>](#)

भाई की शादी में भाई के बाँस से चुद गयी मैं- 2

अन्तर्वासना हिंदी सेक्सी कहानियाँ मुझे बहुत पसंद हैं। तो मेरी कहानी में पढ़ें कि मैं कैसे अपने भाई के बाँस के बेडरूम में पहुँच गयी। मेरा इरादा उनके साथ थोड़ी देर सेक्स भरी मस्ती करने का था। कहानी के पहले [...]

[Full Story >>>](#)

